रणजीत कुमार को मिली पीएच.डी. उपाधि

शोध अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है- कुलपति मिश्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के पी.एच.डी. शोधार्थी रणजीत कुमार की खुली मौखिकी संपन्न हुई। रणजीत कुमार ने जनसंचार विभाग के प्रोफेसर अनिल कुमार राय के मार्गदर्शन में 'मीडिया में व्यावसायिकता और व्यापारीकरण का अंतर्द्वंद (विशेष संदर्भः पेड न्यूज) विषय पर शोध कार्य पूर्ण किया।

बाएं से डॉ. कृपाशंकर चौबे, प्रो. अनिल कुमार राय, कुलपति गिरिश्वर मिश्र, डॉ. श्रीकांत सिंह और डॉ.धरवेश कठेरिया

हिन्दी विश्वविद्यालय के कुलपति गिरिश्वर मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित हुई मौखिकी में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, जनसंचार विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर श्रीकांत सिंह की उपस्थिति में शोधार्थी रणजीत कुमार ने अपनी प्रस्तुति दी। कुलपति मिश्र ने प्रस्तुति पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि शोधार्थी ने अपने पी.एच.डी में रोचक विषय का चयन किया था जिसका उसने उत्तम तरीके से अध्ययन कर प्रस्तुति दी है। शोधार्थी ने शोध विषय के एक पड़ाव को पार किया है जिस पर भविष्य में और भी काम किया जा सकता है। मीडिया में ऐसे ही विषयों पर काम करने की आवश्यकता है जिससे मीडिया घरानों के साथ-साथ समाज को भी उससे लाभ मिल सके। मीडिया से जुड़े विद्यार्थी को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। वहीं वाह्य विशेषज्ञ प्रो. सिंह ने कहा कि रणजीत का शोध विषय जितना संवेदनशील है उतना ही सरल तरीके से इन्होंने अपने शोध की प्रस्तुति दी। इन्होंने अपने शोध कार्य में दोनों पहलू व्यवसाय और व्यापार को बहुत ही बारीकी से बताया है।

शोधार्थी रणजीत कुमार ने पीएच.डी. करने वाले शोधार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि जीवन में सफलता के लिए कभी भी जल्दबाजी नहीं करें। सफलता कठिन परिश्रम और लगन से ही मिलती है।

खुली मौखिकी में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे, अरूण कुमार त्रिपाठी, सहायक प्रोफेसर डॉ. धरवेश कठेरिया, अख्तर आलम, संदीप कुमार वर्मा, रेणू सिंह, राजेश लेहकपूरे के अलावा बौद्ध अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर सुरजीत कुमार ने शोधार्थी को बधाई और शुभकामनाएं दी। धन्यवाद ज्ञापन विभाग के प्रोफेसर अनिल कुमार राय ने किया। प्रस्तुति में विश्वविद्यालय के सभी विभागों के शोधार्थी और विधार्थी मौजूद रहे।

छायांकन- अविनाश त्रिपाठी

प्रस्तुति

अविनाश त्रिपाठी, रत्नसेन भारती, विनय यादव